प्रीत कभी ना तोडना | By Rakesh Babra

जीवन की डोर बाबा तुमसे है बाँधी
प्रीत कभी ना तोडना
रूठे ज़माना तो रूठ जाए
तू ना कभी रूठना
जीवन की डोर बाबा.....

जबसे शुरू हुई अपनी कहानी
तुमने बदल दी है ज़िंदगानी
बेरंग दिन था मेरी बेचैन रातें
तेरी महफ़िलो से हुई शाम सुहाने
अब तेरे हाथों में पतवार मेरी है
बीच भवर ना छोड़ना
रूठे ज़माना तो रूठ जाए
तू ना कभी रूठना
जीवन की डोर बाबा.....

तेरी बंदगी का मज़ा आ रहा है
तेरी आशिकी का नशा छा रहा है
कबसे तुझे दिल ढूंढ रहा था
चौखट पे दिल तेरी सुकून पा रहा है
मन की ये बाएं श्याम तू जानता है
राज़ कभी ना खोलना
रूठे ज़माना तो रूठ जाए
तू ना कभी रूठना
जीवन की डोर बाबा.....

राकेश कहता है भूल ना जाना
जन्मो जनम तक रिश्ता निभाना
ये जानता हूँ तेरे लायक नहीं मैं
मेरी गलतियों को ना दिल में लाना
एक और मुझ पर एहसान करना
मुंह ना कभी मोड़ना
रूठे ज़माना तो रूठ जाए
तू ना कभी रूठना
जीवन की डोर बाबा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80%e0%a4%a4-%e0%a4%95%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-rakesh-babra/